

भूटान में नया चीनी गाँव

प्रलम्बिस के लयि:

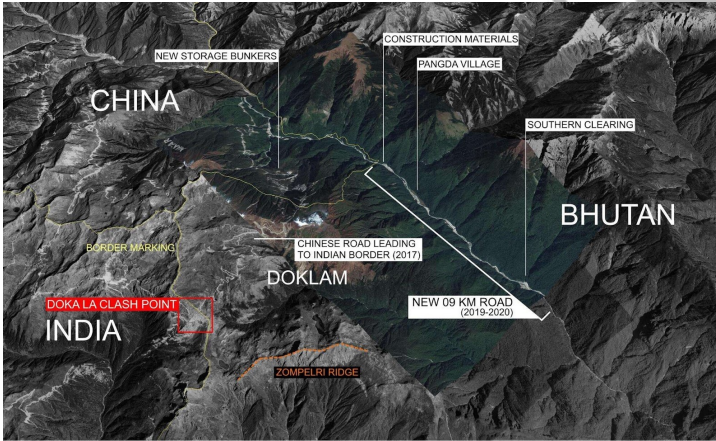
दकषणि एशयिई कषेत्रीय सहयुग संगठन, बमिसटेक

मेन्स के लयि:

भारत-भूटान संबंघ

चरचा में क्युँ?

हल ही में चीनी मीडियल ने दल कयि है क भूटान के पलस चीन दवलर बलनल गल एक नल सीमलवर्ती गलँव चीनी कषेत्र पर स्थलत थल । हललँक गलँव की जलरी की गई छवयिँ दरशलती हैं क यिह गलँव दुनुँ देशुँ के मधुय ववलदत कषेत्र पर अवस्थलत है ।



प्रमुख बलु:

- चीन दवलर यह नवनरिमलत गलँव पलंगडल (Pangda) है और दकषणि-पश्चमल चीन के तबलबत स्वलयत्त कषेत्र के 'यलडुंग कलउंटी' (Yadong County) जल एक प्रशलसनक कषेत्र है, में अधकलरयिँ ने पुषुट की है क सलतलबर 2020 में 124 लुगुँ के सलथ 27 घर स्वैच्छक रूड से शलंगडुई (Shangdui) गलँव से पलंगडल गलँव में बसने के लयल जल चुके हैं ।
- वरुष 2017 के बलद यह पहली बलर है क डुकललम कषेत्र के पलस एक चीनी आवलसीय कषेत्र देखल गलल है जल भारत के लयल सलमरकल रूड से महत्त्वपूर्ण है ।
 - पलंगडल, डुकललम पठलर पर 'भलरत-भूटलन-चीन टुरलजंक्शन' (India-Bhutan-China Trijunction) से पूर्व में स्थलत है जहलँ वरुष 2017 में चीन दवलर सडक नरलमलण कलरुय कयल जलने के कलरण भलरत और चीन के मधुय 72 दुनलँ तक तनलवपूर्ण स्थलतल बनी हुई थी ।
- **भूटलन कल पकष:** भूटलन ने आवधकलरकल तुर पर अपने कषेत्र में कलसी भी चीनी गलँव की उडस्थलतल से इनकलर कयल है ।
- **भलरत कल पकष:** भलरत इसे चीन दवलर एकतरफल रूड से टुरलजंक्शन से आगे बढने के प्रयलस के रूड में देखतल है ।
 - अतलत में भी चीन ने असैन्य बसतयिँ कल नरलमलण कर पडुुसी देशुँ के सलथ ववलदत कषेत्रुँ में अपने कषेत्रीय दलवुँ कु मजबूत करने की कुशलशल की है । **उदलहरण-** दकषणि चीन सलगर के ववलदत दुवलपुँ पर और भूटलन के तुरलसीगंग (Trashigang) जलल पर ।
- **चीनी पकष:** चीनी मलनचतलर के अनुसलर, पलंगडल गलँव चीन के कषेत्र में है ।
 - यह भलरत कु असुथरल चीन-भूटलन सीमल के के लयल भी जलमलमेदलर ठहरलतल है और इस बलत के लयल भी भलरत कु जलमलमेदलर ठहरलतल है कयलह भरुम उतुपनुन करतल है क चीन, भूटलनी कषेत्र कल अतकलरमण कर रहल है ।

भारत-भूटान संबंध:



- **भारत और भूटान के मध्य 'शांति एवं मैत्री संधि-1949' (Treaty of Peace and Friendship, 1949):**
 - यह संधि शांति एवं मैत्री, मुक्त व्यापार एवं वाणिज्य और एक-दूसरे के नागरिकों के लिये समान न्याय का अवसर प्रदान करती है।
 - वर्ष 2007 में इस संधि पर पुनः बातचीत हुई और भूटान की संप्रभुता को प्रोत्साहित करने के लिये इस संधि से उस प्रावधान को समाप्त कर दिया गया जिसमें भारत द्वारा भूटान को अपनी विदेश नीति पर मार्गदर्शन लेने की आवश्यकता का उल्लेख किया गया था।
- **बहुपक्षीय साझेदारी (Multilateral Partnership):**
 - दोनों देश बहुपक्षीय मंचों को साझा करते हैं जैसे कि [दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन \(SAARC\)](#), ['बांग्लादेश-भूटान-भारत और नेपाल पहल'](#) (BBIN), [बमिस्टेक \(BIMSTEC\)](#) आदि।
- **जलविद्युत ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग:**
 - वर्ष 2006 का जलविद्युत सहयोग समझौता: इस समझौते के एक प्रोटोकॉल के तहत, भारत ने वर्ष 2020 तक भूटान को न्यूनतम 10,000 मेगावाट जलविद्युत के विकास एवं उसी से अधिशेष बजिली आयात करने पर सहमत बियक्त की है।
- **व्यापार:**
 - दोनों देशों के बीच व्यापार, भारत-भूटान व्यापार एवं पारगमन समझौते 1972 (India Bhutan Trade and Transit Agreement 1972) द्वारा शासित होता है जिस अंतर्गत नवंबर, 2016 में नवीनीकृत किया गया था।
 - यह समझौता दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार व्यवस्था स्थापित करता है और तीसरे अन्य देशों को भूटानी नरियात के शुल्क मुक्त पारगमन के लिये भी अवसर प्रदान करता है।
- **आर्थिक सहायता:**
 - भारत, भूटान के विकास में प्रमुख भागीदार देश है। वर्ष 1961 में भूटान की पहली पंचवर्षीय योजना (FYP) के शुभारंभ के बाद से भारत, भूटान के FYPs के लिये वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।
 - भारत ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2018-23) के लिये 4500 करोड़ रुपये प्रदान किये हैं।
- **शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग:**
 - बड़ी संख्या में कॉलेज जाने वाले भूटानी छात्र भारत में पढ़ रहे हैं। भारत सरकार भूटानी छात्रों को कई तरह की छात्रवृत्ति प्रदान करती है।
- **पर्यावरण:**
 - जून 2020 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिये [भूटान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर](#) करने को मंजूरी दी।
- **COVID-19 महामारी के दौरान सहायता:**
 - COVID-19 महामारी के दौरान भारत ने भूटान के साथ घनष्ठ समन्वय बना रखा है और भूटान को COVID-19 महामारी नियंत्रण योजना में शामिल किया है।
 - इसके तहत भूटान में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये [भूटान में रुपये कार्ड](#) का दूसरा चरण शुरू किया।
 - सगापुर के बाद रुपये कार्ड स्वीकार करने वाला भूटान दूसरा देश है।

स्रोत: द हट्टू